شری نگر کا جو ٹرانسمٹر ہے وہ بہت ویک ہے اور شاید ویکسٹ ہے - تمام پروپیگنڈا کا نشانا ہے وہ کشمیر ہے - میں جاننا چاہتا ہوں کہ اس سلسلہ میں آپ نے کیا سوچا ہے -

SHRI K. K. SHAH: So far as the Srinagar transmitter is concerned, it is a medium-wave transmitter. Because of the hilly terrain, it is not wise to put up a very powerful transmitter there. If necessary, an additional station should be put up, and we are trying to augment so far as the other project is concerned.

श्री बख्शी गुलाम मुहम्मद : अगर यही बात है तो चीन और मास्को के जो हिल्ली पार्टस हैं उन के ट्रांसमिटर्स को तो फंक्शन करना ही नहीं चाहिये। अगर वहाँ वे फंक्शन कर सकते हैं तो यहाँ के पहाड़ों में क्या है कि यह फंक्शन नहीं कर सकता है ?

اگر یہی بات ہے تو چین اور ماسکو کے ہلی پارٹس ہیں ان کے ٹرانسمٹرز کو تو فنکشن کرنا ہی نہیں چاہئے - اگر وہاں وہ فنکشن کر سکتے ہیں تو یہاں کے پہاڑوں میں کیا ہے کہ یہ فنکشن نہیں کر سکتا ہے -

SHRI MANUBHAI PATEL: There was powerful transmitter in Baroda when it was not merged. After merger, that was removed to some other place. There was a radio station at Baroda, and I want to know whether it will be reinstituted.

SHRI K. K. SHAH: So far as Baroda is concerned, there is a transmitter working at present.

पाकिस्तान द्वारा भारत विरोधी प्रचार

+

*183. **डा० सूर्य प्रकाश पुरी :**
श्री रामावतार शर्मा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान बार बार यह बात स्वीकार करने के पश्चात भी, कि वह ताशकन्द समझौते का पालन करता है, विदेशों में लगातार भारत विरोधी जहरीला प्रचार कर रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि पाकिस्तानी समाचारपत्र तथा रेडियो द्वारा भी ऐसा प्रचार किया जाता है ;

(ग) यदि हाँ, तो क्या भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार को अथवा किसी मित्र देश को, इस बारे में कोई विरोध-पत्र भेजा है ; और

(घ) यदि हाँ, तो इसके बारे में उन की क्या प्रतिक्रिया है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) और (ख). जी हाँ।

(ग) और (घ). जी हाँ; हमने समय-समय पर पाकिस्तान सरकार से विरोध प्रकट किया है लेकिन उनकी प्रतिक्रिया हमेशा नकारात्मक रही है।

डा० सूर्य प्रकाश पुरी : क्या सरकार का ध्यान पाकिस्तान द्वारा प्रसारित कार्यक्रम की ओर गया है जिस में वे यहाँ के नेताओं के बारे में जिन में प्रधान मंत्री का नाम भी शामिल वे करते हैं, बड़ी गन्दी बातें कहते हैं ? यह जो प्रोग्राम साढ़े सात बजे से आठ बजे तक होता है और जिस में भारत के विरुद्ध प्रोपेगंडा किया जाता है उसके सम्बन्ध में कोई आपने विरोध पत्र यहाँ से भेजा है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : जब जब हमारे नोटिस में आता है कि पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान के खिलाफ प्रापेगंडा किया है या कर रहा है तो उसके खिलाफ हम कदम उठाते हैं ।

श्री शिव नारायण : रोज गालियां बकते हैं ।

डा० सूर्य प्रकाश पुरी : बी०बी०सी० की तरफ से जो उर्दू प्रोग्राम शाम को प्रसारित किया जाता है उस में प्रायः ऐसा सुना गया है कि वह भारत के विरुद्ध ही होता है, जो भी चर्चायें उस में होती हैं वह भारत के विरुद्ध होती हैं । क्या सरकार ने बी० बी० सी० के पास भी अपना विरोध पत्र इस सम्बन्ध में भेजा है या इसकी ओर सरकार का ध्यान गया है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : यह सवाल इस वक्त पाकिस्तान के प्रोपेगंडा के बारे में है ।

डा० सूर्य प्रकाश पुरी : वहां जो लोग काम करने वाले हैं वे पाकिस्तान के ही लोग हैं । पाकिस्तानी ही उस में काम करते हैं ।

प्रधान मंत्री, अणु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : मुझे मालूम नहीं कौन लोग काम करते हैं । लेकिन जब भी बी० बी० सी० ने हमारे खिलाफ कुछ बोला है हम ने उस पर भी उनको प्रोट्रस्ट किया है ।

श्री रघुबीर सिंह शास्त्री : हमारी सरकार ने ताशकंद समझौते की इस साल दूसरी एनीवरसरी मनाई है । इस के लिए उसके साहस की प्रशंसा करनी होगी । उस अवसर पर क्या यह ठीक है कि हमारे राष्ट्रपति जी ने यह कहा कि बावजूद पाकिस्तान के सारे रवैये के हम फिर भी पाकिस्तान के साथ हर इशू पर बात करने के लिए तैयार हैं ताकि पाकिस्तान और भारत के रिलेशंज ज्यादा मधुर हो जाएं । क्या यह भी ठीक है कि पाकिस्तान में इस एनीवरसरी के मौके पर पाकिस्तान ने अपने कोई विचार व्यक्त नहीं किये ? क्या यह भी सच है कि हमारी जो सम्पत्ति जब्त की गई है पिछली लड़ाई में वह वापिस नहीं की गई है, जो व्यापार समझौते थे उनका आदर नहीं किया गया है ? इस तरह के जो भी प्रस्ताव हमारी सरकार ने किए हैं वे सारे के सारे उसने अस्वीकार कर दिये हैं ?

MR. SPEAKER: Order, order. Whenever I call you, make a short speech. That is my difficulty. That is why I am not able to call you more often.

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : जो कुछ इनफार्मेशन माननीय सदस्य ने दी है वह सही है । हम उस को मानते हैं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कुछ ही दिन पहले रावल पिंडी में एक मुस्लिम देशों का सम्मेलन हुआ था । समाचारों के अनुसार उस सम्मेलन में पाकिस्तान सरकार ने न केवल भारत के विरुद्ध प्रचार किया अपितु अन्य देशों के जो प्रतिनिधि रावलपिंडी में उस सम्मेलन में भाग लेने आये थे उन्हों ने भी भारत के विरुद्ध बातें कहीं । क्या हम ने रावलपिंडी के मुस्लिम सम्मेलन की इस रिपोर्ट को प्राप्त करने की कोशिश की है ? क्या इस सम्बन्ध में सरकार को कोई जानकारी है ? अगर नहीं है तो क्या सरकार जानकारी प्राप्त करने का वचन देती है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : जानकारी हमारे पास नहीं है लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि हम इसके बारे में मालूम करेंगे । इस सिलसिले में मैं इतना जरूर कह दूं कि जब भी विदेशों से आदमी आते हैं और इस तरह की बात होती है तो विरोध प्रकट किया जाता है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जब मंत्री महोदय को इस बारे में जानकारी ही नहीं है, तो वह उन सरकारों को क्या कहेंगे ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : जैसा कि मैंने कहा है, इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन इस प्रकार के दूसरे मामलों में हम ऐसा ही करते हैं।

MR. SPEAKER: The hon. Member behind you; he is getting up very often, but when I see him, he is not on his legs. Later on he will object.

SHRI HEM BARUA: Sir, when some Members on the other side do not try to stand up and put a question, yet, you go on persuading them to put a question.

AN HON. MEMBER: It is a question of parity.

MR. SPEAKER: It is not a question of parity. Once or twice, they get up, and when I look at them, they do not get up! Later on, they complain that I am not calling them. That is my difficulty, When they get up, they must be vigilant.

SHRI HEM BARUA: May I submit that it is better not to look at them at all?

श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : भारत के विरोध के बावजूद पाकिस्तान द्वारा भारत-विरोधी प्रचार बराबर जारी है। भारत के विरुद्ध जो प्रचार हो रहा है, उस के बारे में हमारी ओर से विरोध प्रकट करने के बाद भी पाकिस्तान उसको बन्द नहीं कर रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि उस के विरोध में प्रचार करने के लिए भारत ने क्या तैयारी की है ।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : पाकिस्तान बहुत सी बातें ऐसी करता है, जो उचित नहीं है। मैं नहीं मानती हूं कि यह कोई कारण है कि हम भी ऐसी बातें करें। पाकिस्तान की जो बातें और कदम हम को ग़लत लगते हैं, उन के बारे में हम जरूर जोरों से बोलते हैं।

SHRI R. D. BHANDARE: Is the Government aware of the fact that the anti-Indian propaganda carried on by Pakistan does not produce any effect on any country at all?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Sir, it is true that consistent anti-Indian propaganda is being continued, I think its effect is a lessening one. But I cannot say that it has no effect at all.

SHRI BAL RAJ MADHOK: The hon. Prime Minister just now said that we cannot copy Pakistan. It is true. But then Pakistan is carrying on propaganda day in and day out on the radio and in the press, and is mobilising public opinion and creating a war atmosphere If you have ever heard Pakistan radio, they are singing the same kind of song and making the same kind of appeals which they used to make at the time of war. This kind of war frenzy is being created, and this propaganda is not only being done like that, but even the Pakistan Embassy here has circulated leaflets to the Members of Parliament which contain all these false things against India. May I, therefore, know what steps the Government of India is taking to counter this kind of propaganda and to prepare the country also for meeting any eventuality which, to my mind, seems quite near?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: I am unable to agree with the hon. Member that such a contingency is near, but I think it is very wrong for any foreign mission to circulate leaflects to hon. Members regarding our own country, and I would be very grateful if the hon. Member (*Interruption*).

SHRI BAL RAJ MADHOK: She must have also received a copy.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Whatever it is, my attention has not

been drawn to it, and I will be very glad if the hon. Members who have such leaflets would bring them to me.

श्री मधु लिमये : इन्टेलिजेंस ब्यूरो क्या करता है ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: With regard to preparing the country, that, of course, is a very big question. It is not only a question of propaganda; it is a question of having a strong industrial base; it is a question of all other kinds of preparedness military and civilian and the Government has taken and will continue to take all such steps as necessary.

SHRI D. C. SHARMA: While we have been talking of anti-Indian propaganda by the Pakistan press, may I ask the hon. Deputy Minister if the Government are aware of the fact that there are papers published in Dacca, for instance, *Nawai Millat*, and some papers published in Pakistan itself, which support our stand on Kashmir and other things and if that is being done why is it that the Government of India in the External Affairs Ministry does not bring them to the notice of the public or at least to the notice of Members of Parliament here?

SHRI SURENDRA PAL SINGH: This is a suggestion for action.

SHRI RANGA: In view of the fact that Soviet Russia has been evincing so much interest in the success of the Tashkent spirit and the Tashkent pact, has the Government taken any trouble to collect this information, if they have, about the anti-Indian propaganda and all the campaigns that the Pakistan Government is, even according to Government, carrying on in their country and bring it to the notice of the USSR in order to make them aware of what is going on as between our two countries: that one side alone is carrying on this anti-Indian propaganda while we are scrupulously respecting the spirit of the Tashkent agreement and are not doing any propaganda against Pakistan?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: It is not only the Soviet Union which is interested in keeping up the Tashkent spirit. Even the USA is interested in it.

SHRI RANGA: But Mr Kosygin has given you a homily the other day.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: I think in this matter it is not possible to make comparisons. Anyway, this information was given to both countries.

SHRI E. K. NAYANAR: After the Kutch Award both the States are tightening their border security arrangements. Pakistan in one of its information bulletins last year accused that India violated the Tashkent agreement 600 times. So far that allegation has not been refuted.

SHRI SURENDRA PAL SINGH: It is true that whenever we send protest notes they accuse us also and they come up with allegations against us of having ourselves violated the Tashkent Agreement. But we maintain that those allegations are incorrect and baseless.

MR. SPEAKER: Shri Hem Barua.

SHRI HEM BARUA: May I know if it is a fact.

श्री भोगेन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के कायदे की रक्षा के लिए खड़ा हुआ हूं । आप ने कहा है कि एक माननीय सदस्य को एक ही बार प्रश्न पूछने का मौका मिलेगा । चूंकि अब आप दोबारा मौका देते जा रहे हैं, इसलिए मैं खड़ा हुआ हूं । आप चाहे तीन चार बार मौका दीजिए, लेकिन आप कायदे को बदल दीजिए । हम इस तरह पचास बार

खड़े हो कर व्यायाम नहीं करना चाहते हैं। जब आप ने यह कायदा बनाया है कि एक माननीय सदस्य को एक ही बार प्रश्न पूछने का मौका मिलेगा, तो आप दोबारा मौका क्यों देते जा रहे हैं?

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY: I do not think there is any rule like that.

MR. SPEAKER: There is no rule. If he wants to ask a question, I will give him an opportunity.

श्री शिव नारायण : मैं माननीय सदस्य, श्री झा, की बात से सहमत हूं। जो मेम्बर लेबर कर के यहां पर खड़ा होता है, उस को आप बुलाते नहीं हैं और जो बैठा हुआ है, उस को आप बुलाते हैं, स्टेट एसेम्बली और कौंसिल का हमारा अनुभव है कि जिस सदस्य के नाम पर प्रश्न है, पहले तो उस को बुलाया जाता है और बाद में जो सदस्य खड़े हों, उन को अवसर दिया जाता है।

...

MR. SPEAKER: On very question he is on his legs. He is always on his legs. He puts very important questions, I agree. But they are so difficult that even the Ministers cannot answer.

SHRI HEM BARUA: May I submit that there is no rule like this that a member would not be allowed to put more than one supplementary question? What you tried to do here was to set up a convention that a member would not be allowed to put more than two supplementary questions.

MR. SPEAKER: Let us not discuss it now.

SHRI HEM BARUA: But objection has been taken to this.

MR. SPEAKER: I will answer it. Let him put his question.

SHRI HEM BARUA: May I know if it is a fact that Pakistan's anti-Indian propaganda was brought to the notice of Mr. Kosygin when he visited this country, because he was the man who presided over the Tashkent Agreement?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Yes, Sir.

SHRI HEM BARUA: Sir, my question has not been answered.

AN HON. MEMBER: She is touchy.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: I am not touchy. I have replied to this question when Professor Ranga asked it.

SHRI HEM BARUA: Professor Ranga asked about USSR. I asked a specified question whether Pakistan's anti-Indian propaganda was brought to the notice of Mr. Kosygin when he visited this country.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: I said "Yes, Sir."

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल बिलकुल सीधा है। पाकिस्तान हमारे देश के विरोध में प्रचार करता है, हथियार जमा करता है, और दूसरे देशों में हमारे देश के खिलाफ प्रचार करता है। तो मैं माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि हमारी सरकार पाकिस्तान को फ्रेंडली ट्रीट करती है या होस्टाइल मानती है? अगर वह फ्रेंडली ट्रीट करती है तो उस का मुकाबिला करने के लिए आप यह उपाय क्यों लेते हैं और होस्टाइल मानती है तो फिर ताशकन्द ऐग्रीमेंट को क्यों मानते हैं?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : यह कोई सीधा सवाल तो नहीं है, अध्यक्ष महोदय।

श्री कंवर लाल गुप्त : आप फ्रेंडली मानती हैं या होस्टाइल मानती हैं? कुछ तो मानती हैं? जो मानती हैं वही बताइए।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल टेढ़ा इस कारण है कि होस्टाइल शब्द के डिप्लोमेटिक फील्ड में विशेष माने हैं, इसलिए इसका सीधा जवाब हम नहीं दे सकते।

श्री शिव नारायण : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार से यह जानना चाहता हूं कि ऐंटी इंडिया और ऐंटी इंडियन प्रोपेगैंडा करने वाले अपने देश के जो हैं, बाहर के जो प्रचार करें पाकिस्तान करे या और कोई करे, उस के अलावा हमारे देश के ही ऐसे नागरिक हैं जो भारत के विरुद्ध प्रचार करते हैं उन के खिलाफ क्या ऐक्शन गवर्नमेंट लेना चाहती है ?

MR. SPEAKER: It is a difficult question, as I said, and it cannot be answered. What is it that the Speaker can do?

श्री शिव नारायण : अच्छा तो मैं फारेन का ही पूछ दूं । क्या सरकार को मालूम है कि सीलोन के ऐम्ब्रेसेडर के खिलाफ आप के पास शिकायतें आई थीं . . . . (**व्यवधान**)

Mr. SPEAKER; We should not waste the time of the House. Once in a way it is all right, but for every question I cannot allow this.

श्री भोगेन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से देश का बटवारा हुआ और एक भाषा के लोग एक संस्कृति के लोग और कुछ गांवों के लोग दो हिस्सों में बंट गये, इस में मैत्री के साथ रहने के सिवाय और कोई दूसर सहारा हमारे लिए या पाकिस्तान के लिए लम्बे दरमियान में नहीं है, इस को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार इस बात को कहने में हिचक रही है कि जैसाकि अभी हमारी प्रधान मंत्री महोदया प्रश्न का उत्तर देने में हिचक रही थीं, कि हम मैत्री का संबंध पाकिस्तान के साथ रखना चाहते हैं ? ऐसी स्थिति में हम चाहते हैं कि पाकिस्तान के अन्दर खुद ऐसी शक्तियां जो हैं जो शांति के साथ रहना चाहती हैं उन को हम बढ़ावा दें कि जिस से कि उन को शक्ति मिले और जो लड़ाई या दुश्मनी के रुख अख्त्यार करती हैं उनको वह कमजोर करें। इस दृष्टि से क्या सरकार ने अपने देश के अखबारों को या आकाशवाणी को यह हिदायत दी है कि हमारे प्रचार का दृष्टिकोण यह रहे कि जिससे एकता की शक्तियों को बल मिले और तकरार कराने वाली ताकतें कमजोर हों ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : माननीय सदस्य का सुझाव अच्छा है। लेकिन अपने यहां जो अखबार हैं वह कोई सरकारी अखबार नहीं हैं। यह ठीक है कि यह सुझाव उनको दिया जा सकता है लेकिन वह इसको मानें या ना मानें यह उनके हाथ में है। जहां तक रेडियो का प्रश्न है माननीय मंत्री यहां पर हैं, उन्होंने जरूर उस पर ध्यान दिया होगा ।

श्री सीताराम केसरी : मैं प्रधान मंत्री से यह प्रश्न करना चाहता हूं कि हमारे खिलाफ जो पाकिस्तान निरन्तर प्रचार कर रहा है तो क्या ताशकंद की पृष्ठभूमि में इन्होंने कभी पाकिस्तान के अधिकारियों से निगोशिएटिंग टेबल पर बैठ कर इस बात की चर्चा की या बात करने की कोशिश की कि इस तरह का प्रचार नहीं हो ।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : इसकी तो हर समय कोशिश की जाती है कि ऐसा प्रचार नहीं हो । और पाकिस्तान के जो भी यहां आये हैं सरकार के या दूसरे लोग उन से भी इस की चर्चा हुई है । वैसे मैं ने किसी के साथ बैठ कर कोई खास बहस इस पर नहीं की है ।

SHRI M. L. SONDHI: May I know whether the Government is aware

that Pakistan has an operational corps which consists of two parts, one to denigrate the Indian political system and all Indian political parties and, second, to suppress India's rightful attitude to back up freedom within the country and outside? May I know specifically whether our publicity and information seeks to protect all Indian political parties against Pakistani propaganda and whether our publicity and information includes an effort to project issues like Pakhtoonistan and freedom of East Pakistan?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: We do try to project a correct picture of India abroad, but we do not interfere in the internal affairs of other nations.

SHRI M. L. SONDHI: My question has not been answered. For example, if a slanderous attack is made on the Jan Sangh or the SSP, does our Press Attache or whoever it is counter it or does he do so only when the Congress Party is attacked?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Officials do not belong to political parties, nor do they take any such action.

श्री क० ना० तिवारी : क्या सरकार का ध्यान इस ओर गया है कि पाकिस्तान और चाइना दोनों मिल कर हमारे खिलाफ प्रचार करते हैं, पाकिस्तान अपना सारा प्रोपेगेंडा चाइना के रेडियो से कराता है, और चाइना पाकिस्तान रेडियो से कराता है ? अगर यह सही है तो इस के सम्बन्ध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ? क्या इस के संबंध में पाकिस्तान से कोई बात कही गई है कि वह हिन्दुस्तान के खिलाफ चाइना का प्रोपेगेंडा अपने यहां न किया करे ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बात तो सही है जो माननीय सदस्य कह रहे हैं कि दोनों देश हमारे खिलाफ इस तरह का प्रोपेगेंडा करते रहे हैं और हम ने हमेशा पाकिस्तान से इस बात को कहा है ।

श्री राम चरण : क्या प्रधान मंत्री बताएंगी कि हमारी जो प्रोपेगेंडा टैक्टिक्स है वह बहुत डिफेक्टिव है ? पाकिस्तान की टैक्टिक्स यह रही है कि जिस कन्ट्री से वह प्रोपेगेंडा कराता है वहां के इन्टर्नल आदमी को एन्गेज कर के ऐंटी इंडिया प्रोपेगेंडा कराता है । लेकिन हमारे जो राजदूत हैं वह बिलकुल टोटली फेल्योर ही रहते हैं । इस चीज में कि वह इस तरह का ऐटमास्फेयर क्रियेट करें। पाकिस्तान इस में कामयाब रहता है । तो क्या सरकार कोई ऐसी एफेक्टिव मशीनरी इस के लिए सेटअप करेगी ?

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह हमें मालूम नहीं है कि पाकिस्तान की प्रोपेगेंडा मशीनरी कैसी है वह कैसा काम कर रही है । लेकिन हमारे जो दूतावास हैं वह उन के खिलाफ जो कुछ भी करना होता है वह करते हैं ।

Enquiry into charges against former Chief Minister of Bihar

*185. SHRI MOHAMMAD ISMAIL:
SHRI P. GOPALAN:
SHRI A. K. GOPALAN:
SHRI UMANATH:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the attention of the PRIME MINISTER has been drawn to the article by the former Governor of Bihar published in the Hindustan Times dated the 14th January, 1968 that the Prime Minister had ordered a private enquiry to investigate the charges levelled against Shri K. B. Sahai, former Chief Minister, Bihar through Shri G. S. Pathak, the then Law Minister;

(b) if so, whether Shri Sahai refused to show the files to Shri Pathak; and

(c) the steps taken by Government thereon?